विद्या आश्रम

सा 10/82, अशोक मार्ग, सारनाथ, वाराणसी-221007
Website : vidyaashram.org E-mail : vidyaashram@gmail.com

वार्षिक रिपोर्ट - 2019–20

2019 के मई-जून के महीनों में लोकसभा चुनाव हुए. विद्या आश्रम में शुरूआती महीनों में इसका सन्दर्भ बनाते हुए अपने कार्यों में लोक-अजेंडा को बनाने की पहल को प्रमुख स्थान दिया. इस दिशा में कारीगर-किसान ज्ञान-पंचायत, कारीगर नज़रिया पत्रिका का प्रकाशन, स्वराज पर चिंतन गोष्ठियां, आदि का आयोजन किया. किसान और कारीगर समाजों के साथ की ज्ञान-पंचायतों में 'लोकविद्या समाजों की आय सरकारी कर्मचारी के बराबर हो' का मुद्दा प्रमुखता से रखा गया. साथ ही लोकविद्या और कला दर्शन के मूल्यों से गर्भित 'प्रगति' की क्या अवधारणा हो सकती हैं इस पर चिंतन और कार्य को इस वर्ष प्राथमिकता दी गई. इसी चिंतन पर आधारित विद्या आश्रम का अगला चरण तय करने की दिशा में हम आगे बढे हैं. आश्रम परिसर में निर्माण कार्य भी इसी उद्देश्य से किया गया. इस वर्ष के कार्यों का विवरण नीचे दिया जा रहा है.

1. लोकविद्या जन आन्दोलन (लोजआ) : लोकविद्या जन आन्दोलन में प्रमुखरूप से किसानों और कारीगरों के साथ काम किया गया. बंगलुरु के पवित्र आर्थिकी अभियान और गंगा आन्दोलन व स्वराज अभियान के साथ वार्ताओं और सहयोग को भी मूर्तरूप दिया गया. हमारी ओर से लोकविद्या-समाज के परिवारों में पक्की व नियमित तथा सरकारी कर्मचारी के बराबर आय को प्रमुख रूप से आगे बढाया गया. उपरोक्त आंदोलनों में भागीदारी इस दृष्टि से की गई कि लोकविद्या दर्शन से मेल खाने वाले और काम हो रहे हैं जिन्हें मित्र कार्यों का स्थान दिया जाना चाहिए चाहे वे लोकविद्या शब्द का इस्तेमाल न करते हों. आश्रम के कार्यों की सूची नीचे दी जा रही है.
   - 5 अप्रैल 2019 को विद्या आश्रम सारनाथ पर 'देश के प्रति समग्र सोच' विषय पर गोष्ठी का आयोजन हुआ. प्रेमलता सिंह की अध्यक्षता में हुई इस चिंतन गोष्ठी में इस बात को प्रमुख बताया गया कि देश का सबसे महत्वपूर्ण सवाल आज आय का सवाल है. विभिन्न दृष्टिकोणों से आय, रोज़गार और ज्ञान के बीच संबंधों को स्पष्ट करने के प्रयास हुए. इस बैठक में मऊ और वाराणसी के सामाजिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी हुई.
   - 7 अप्रैल 2019 को शहर में बुनकर संगठनों की संयुक्त बैठक हुई. जिसमे बुनकर मज़दूरों की आय में पिछले लगभग दस वर्षों से कोई बढ़ोत्तरी न होने का मुद्दा बुनकरों द्वारा उठाया गया. लोजआ की ओर से लक्ष्मण प्रसाद ने इसमें भागीदारी की और बुनकरों को अपनी मांग में ज्ञान के मूल्य को जोड़ने का आवाहन किया.
   - सम्राट अशोक बुद्ध विहार की ओर से सारनाथ में प्रति वर्ष भीमराव आंबेडकर की जयंती के दिन, 14 अप्रैल को, चिंतन गोष्ठी और फेरी का आयोजन होता है. इस वर्ष 2019 में इस कार्यक्रम में लक्ष्मण प्रसाद ने आय के सवाल को प्रस्तुत किया.

- 21 अप्रैल 2019 को दर्शन अखाड़ा पर बंगलुरु से आये पवित्र आर्थिकी अभियान के अभिलाष के साथ सबकी पक्की आय पर चर्चा हुई. शहर के कारीगरों की भागीदारी से हुई इस चर्चा में आर्थिकी को लोकहितकारी बनाने के पक्षों पर विचार हुआ.
- किसान आंदोलनों में व भारतीय किसान यूनियन के कई कार्यक्रमों के साथ लोकविद्या जन आन्दोलन की सक्रिय भागीदारी इस वर्ष भी बनी रही. दिनांक 8 सितम्बर 2019 को विद्या आश्रम सारनाथ में भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री राकेश टिकैत के साथ बैठक हुई. 16,17,18 जून 2019 को हरिद्वार में भारतीय किसान यूनियन की पंचायत में लक्ष्मण प्रसाद और कृष्ण कुमार के साथ 25 स्थानीय किसानों की भागीदारी हुई. सरकार द्वारा बिजली दाम में प्रस्तावित वृद्धि के विरोध में 27 जून 2019 को भारतीय किसान यूनियन के आवाहन पर लक्ष्मण प्रसाद के नेतृत्व में वाराणसी के किसानों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र भेजा. इसी कड़ी में दिनांक 25 सितम्बर 2019 को भाकियू द्वारा बिजली और गन्ना समेत कई मुद्दों को लेकर लखनऊ में प्रदेश स्तरीय आन्दोलन आयोजित किया जिसमें वाराणसी के किसानों की भागीदारी हुई. 27 नवम्बर 2019 को भाकियू मीरजापुर द्वारा नरायनपुर के पास करहट गाँव में एक आन्दोलन हुआ। रेलवे द्वारा रेललाइन हेतु भूमि अधिग्रहण में व्याप्त अनियमितताओं के खिलाफ स्थानीय किसान सुबह से ही कई हजार की संख्या में जमा हुए. भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत, राष्ट्रीय महासचिव राजपाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष राजवीर सिंह जालौन भी आन्दोलन में शामिल हुए। यहाँ लक्ष्मण प्रसाद के नेतृत्व में वाराणसी के किसानों की भागीदारी हुई. दिनभर कार्यक्रम चलने के बाद शाम एसडीएम को मांगपत्र सौंपा गया. 16, 17, 18 जनवरी 2020 को प्रयाग में आयोजित किसान महापंचायत में कृष्ण कुमार के नेतृत्व में 25 किसानों की भागीदारी हुई. भारतीय किसान यूनियन वाराणसी मंडल की पंचायत 6 मार्च 2020 को विद्या आश्रम सारनाथ पर उत्तर प्रदेश सचिव अजय सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई.
- वर्ष मार्च 2020 में पूर्वांचल के वरिष्ठ किसान नेता व मुंडेरवा किसान संघर्ष का नेतृत्व करने वाले श्री दीवानचंद चौधरी का निधन हो गया. बस्ती जिले के रहने वाले दीवानचंद भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष रहे, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी रहे तथा समत-समय पर परामर्श की बैठकों में ये विद्या आश्रम आते रहे. बस्ती से लगभग 25 किसानों का समूह स्वर्गीय दीवानचंद चौधरी का अस्थि कलश लेकर 12 मार्च 2020 को विद्या आश्रम वाराणसी आया. विद्या आश्रम पर स्व. दीवान चन्द चौधरी की गौरव सभा आयोजित की गई और बाद में जुलूस के रूप में घाट तक जाकर गंगाजी में अस्थि विसर्जन हुआ.
- अगस्त 2019 माह के शुरू में स्वराज अभियान के अध्यक्ष आनंद कुमार और वरिष्ठ सदस्य राकेश सिन्हा ने विद्या आश्रम आये और स्वराज के विचार पर हम लोगों के साथ बातचीत हुई. इस कड़ी में ही 17 अगस्त 2019 को विद्या आश्रम पर स्वराज अभियान के वाराणसी के सदस्यों (राकेश सिन्हा, रवि शेखर, रामजनम, दिवाकर, एकता शेखर) के साथ स्वराज के विचार पर विद्या आश्रम में चर्चा व मंथन हुआ. अक्तूबर या नवम्बर में एक स्वराज पंचायत करने की संभावनाओं पर विचार हुआ.
- 25 अगस्त 2019 को वाराणसी साझा संस्कृति मंच की बैठक में लक्ष्मण प्रसाद की भागीदारी हुई. यह वाराणसी के सामाजिक कार्यकर्ताओं का साझा मंच है.
- शोषित समाज दल के नेता अमर शहीद जगदेव प्रसाद की 5 सितम्बर 2019 को सलारपुर में हुई श्रद्धांजलि सभा में आश्रम की भागीदारी हुई. 2 फरवरी 2020 को सलारपुर में जगदेव प्रसाद मेला लगाया गया जिसमें विद्या आश्रम का सहयोग और भागीदारी रही.

- पीयूसीएल की वाराणसी इकाई के गठन के प्रयास में शिरकत की गई. दिनांक 14 सितंबर 2019 को पीयूसीएल की प्रादेशिक मीटिंग इलाहाबाद में हुई, जिसमें हुए निर्णय के अनुसार प्रवाल सिंह की अध्यक्षता में वाराणसी में पीयूसीएल की इकाई बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई और इसमें लगभग दस बैठकें हुई. प्रवाल सिंह के आवास पर 21 सितम्बर, 2 दिसंबर, 16 दिसंबर, 19 दिसंबर, 23 दिसंबर और 13 मार्च 2020 को बैठकें हुई. विद्या आश्रम सारनाथ पर भी इसकी 29 सितम्बर व 20 अक्तूबर को बैठकें हुई. सभी में लक्ष्मण प्रसाद और सुनीलजी की भागीदारी रही.
- गंगा आन्दोलन : 12 दिसंबर 2019 को विद्या आश्रम पर गंगा आन्दोलन पर एक गोष्ठी रखी गई जिसमें इस आन्दोलन के सक्रिय कार्यकर्त्ता संदीप पाण्डेय और माँ गंगा निषादराज सेवा समिति के राष्ट्रीय सचिव हरिश्चंद्र बिंद प्रमुख वक्ता थे. गंगा आन्दोलन एक समग्र आन्दोलन है. बड़ी तादाद में लोगों की जीविका का आन्दोलन है, जीवन मूल्यों का आन्दोलन है, पर्यावरण-पारिस्थितिकी संतुलन का आन्दोलन है, आर्थिक-सामाजिक संरचना में दखल का आन्दोलन है और विद्या की अपनी परम्पराओं के प्रति सम्मान का आन्दोलन है. विद्या आश्रम की इसमें पहले से भागीदारी रही है.
- विद्या आश्रम पर अतिथि : बैठकों में शामिल होने वाले भागीदारों के अलावा इस वर्ष आश्रम के विचार और कार्य जानने के लिए आश्रम पर कई अतिथि आये जिन्होंने आश्रम पर कुछ दिन (एक सप्ताह से लेकर एक महीने तक) बिताये. इनमें प्रमुख थे पवित्र आर्थिकी अभियान, बंगलुरु के अभिलाष, पुणे से विकल्प संस्थान से सृष्टि, औरगाबाद से नमिता कुलकर्णी, आई.आई.आई.टी.हैदराबाद से सरिगामा येर्रा और वनलता, नर्मदा बचाओ के पुणे स्थित इकाई से वंदना ताई और मुंबई के मैहर युसुफअली केंद्र से गुड्डी.

2. कारीगर–किसान पंचायत :
   - 20 अप्रैल 2019 को कारीगर किसान पंचायत का आयोजन हुआ. वाराणसी मण्डल के किसान और कारीगर शामिल हुए. वाराणसी शहर के पराड़कर भवन में आयोजित इस पंचायत में लगभग सौ लोगों की भागीदारी रही. (देखें लिंक http://lokavidyajanandolan.blogspot.com/2019/04/). इस पंचायत में सर्व सहमति से यह स्वर उभरा कि किसान और कारीगर समाजों को खैरात नहीं चाहिए, इमदाद नहीं चाहिए, न्यूनतम आय नहीं चाहिए, गरीबी और मजदूरी की बात मत करो, बल्कि बात पक्की और नियमित आमदनी की है और वही चाहिए. यह कारीगर-किसान पंचायत यह दावा पेश करती है कि हम कारीगर-किसान समाजों का ज्ञान विश्वविद्यालय के ज्ञान से कम नहीं आँका जा सकता और यह कि हमें भी वैसी ही आय का हक़दार माना जाना चाहिए जैसी आय एक सरकारी कर्मचारी की होती है. इस दावे को लोकविद्या-समाज में नई चेतना की लहर पैदा करने की क्षमता के रूप में देखा गया और वर्ष भर ऐसी ज्ञान-पंचायतो का सिलसिला चलाने के प्रयास पर सहमति बनी.
   - ‘सभी की आय सरकारी कर्मचारी जैसी हो’ इसे जनता का अजेंडा बना कर किसान और कारीगर समाजों के बीच ज्ञान-पंचायतें आयोजित की गई और फिर 21 नवम्बर 2019 को आदिकेशव घाट पर एक बड़ी बुनकर-किसान पंचायत का आयोजन हुआ. इस पंचायत में लोकविद्या समाज के लिए सरकारी कर्मचारी के जैसी ही पक्की और नियमित आय हो इसको पूर्ण समर्थन मिला. लगभग 30 किसान और कारीगर सम्मिलित हुए.
3. दर्शन अखाड़ा : दर्शन अखाड़ा का उदघाटन 8 मार्च 2019 को हुआ था और उसके बाद यहाँ वर्ष भर सक्रियता बनी रही. शहर में गंगाजी के घाट पर होने से यहाँ लोकविद्या-समाज के लोगों का मिलना-जुलना

अधिक आसान हो गया. एक पुस्तकालय भी बनाया गया. दर्शन अखाड़ा के नाम से एक ब्लॉग (https://darshanakhadablog.wordpress.com/) भी शुरू कर दिया. दर्शन अखाड़े पर इस वर्ष हुए कुछ प्रमुख कार्यक्रमों का उल्लेख नीचे किया जा रहा है.

- भारत की राजनीति में दर्शन की भूमिका के तहत 28 मई 2019 को दर्शन अखाड़ा पर "स्वदेशी ज्ञान परम्पराएँ और मूल्य आधारित राजनीति" विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ. स्वदेशी दर्शन परम्पराओं से अभिप्राय गांधी, कबीर, रैदास जैसे संतों के दर्शन से रहा. हमारे विश्वविद्यालयों के दर्शन विभागों में इन संतो /दार्शनिकों को पढाया नहीं जाता, यह दुर्भाग्य है. पढ़े-लिखे लोग इन्हें दार्शनिकों के रूप में सहजता से नहीं देख पाते. इन संतों की भूमिका राजनीति-दर्शन के ऐसे विचार निर्माण में देखी जानी चाहिए जो आज राजनीति को मूल्य गर्भित बना सकें. वरिष्ठ सर्वोदयी अमरनाथ भाई, पत्रकार योगेन्द्र नारायण शर्मा, मोहम्मद आरिफ, मिथिलेश दुबे, फ़ज़लुर्रहमान अंसारी, प्रेमलता सिंह, गोरखनाथ, अरुण कुमार, लक्ष्मण प्रसाद, नूर फातमा, चित्रा एवं सुनील ने बैठक को संबोधित किया. (देखें लिंक https://lokavidyajanandolan.blogspot.com/2019/05/)
- स्थानीय महिलाओं ने मिलकर 29 मई 2019 को गीतों के माध्यम से माँ गंगाजी से संवाद बनाने का आग्रह किया. इस संवाद से यह निकला कि गंगाजी मात्र नदी नहीं, बल्कि ज्ञान-गंगा हैं. धरती माँ की ही तरह वे लोकहित में अपनी सक्रियता को निर्धारित करती हैं और त्याग, ममत्व, सहजीवन, न्याय जैसे गुणों को ज्ञान के अभिन्न अंग के रूप में देखना सिखाती हैं. यह आयोजन गंगाजी की इस आवाज़ को सुनने, समझने, आत्मसात करने और फ़ैलाने का आग्रह करता है.

  (देखें लिंक https://lokavidyajanandolan.blogspot.com/2019/05/)
- दर्शन अखाड़ा पर पुस्तकालय को बनाना शुरू किया. इस पुस्तकालय में संत परंपरा, काशी के लोक दर्शन, लोकस्मृति, कला दर्शन, स्वराज-विचार से जुडी पुस्तकों के संकलन कार्य का आरम्भ हो गया.
- 13 जून 2019 को कबीर ज्ञान पंचायत का आयोजन किया गया. आज की दुनिया में कबीर दर्शन से क्या उजाला मिलता है इस पर वार्ता हुई. कबीर के दर्शन का बहुत व्यापक फलक रहा है. ऐसे में निम्नलिखित पद को प्रस्थान बिन्दु के रूप में चुना गया.

  "मेरा तेरा मनुवा कैसे होई एक रे
  मैं कहता आंखन की देखी, तू कहता कागज़ की लेखी
  मैं कहता सुरझावनहारी, तू राख्यो उरझाई रे"
- लोकविद्या समाज और उच्च शिक्षित लोगों के बीच मैत्री और सद्भाव का रिश्ता कैसे बने यह प्रमुख चिंता का विषय है. स्वराज की कल्पना का बीज इस पद में मिलता है. वाराणसी के बुनकर और सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ हुई इस ज्ञान पंचायत में यह आग्रह रहा कि ऐसे समाज की कल्पना करना ज़रूरी है जिसमें विशेषग्य के ज्ञान के बल पर नहीं बल्कि सामान्य जन के ज्ञान के बल पर समाज के संगठन और सञ्चालन की नीति बनें. ऐसे समाज में सबको अपनी-अपनी पहल के साथ भागीदारी के अवसर होने की अधिक संभावना होगी. विस्तृत ब्यौरे के लिए देखें लिंक https://lokavidyajanandolan.blogspot.com/2019/06/

- 27 जुलाई 2019 को प्रेमचंद जयंती मनाई गई. आश्रम कला व साहित्य में दर्शन की खोज का हिमायती है. प्रेमचंद के लेखन की एक बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने सामान्य जनों की दार्शनिक प्रवृत्तियों को सहज ढंग से सामने रखा. यह लोकविद्या दर्शन ही है.
  (देखें लिंक) http://lokavidyajanandolan.blogspot.com/2019/07/विद्या
- दर्शन अखाड़ा राजघाट पर दिनांक 14 अक्टूबर 2019 को दोपहर तीन बजे से दर्शन वार्ता Listening to Philosophers की ही कड़ी में स्वराज और स्वदेशी दर्शन पर गोष्ठी हुई । लोकविद्या समाज को दर्शन से समृद्ध समाज माना गया। यह कार्तिक मास की पूर्णिमा थी । लगभग 30 लोग इस कार्यक्रम में शामिल हुए। दो घंटे तक वार्ता चलने के बाद पूर्णिमा के चन्द्रमा दर्शन के साथ दर्शन वार्ता का कार्यक्रम समाप्त हुआ.
- 9 फरवरी 2020 को रविदास जयंती थी. उसके चार दिन पहले अखाड़े पर 4 फरवरी 2020 को रविदास चिंतन गोष्ठी का आयोजन किया गया. रविदास जी के जन्म स्थान, बनारस में इस दिन बहुत बड़े-बड़े उत्सव होते हैं। इस महान संत की स्मृति में उनके दर्शन पर चर्चा के लिए दर्शन अखाड़े पर 4 फरवरी को लगभग 30 व्यक्ति एकत्र हुये. संत रविदास जी के निम्नलिखित पद को चर्चा में रखा गया था. ज़ाहिर है चर्चा उसी तक सीमित नहीं रही.
  "नाम ही पूजा कहाँ चढ़ाऊँ, फल अरु फूल अनुपम न पाऊँ"
  सुनील सहस्रबुद्धे ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि भारत की दार्शनिक परंपरा में संतों का बहुत बड़ा योगदान रहा है लेकिन चूंकि विश्वविद्यालय इसका अवमूल्यन करते हैं इसलिये दर्शन अखाड़े ने इसके न्यायोचित स्थान के लिए अभियान चलाया है. वार्ता की शुरुआत राजकुमार के नेतृत्व में सरायमोहना गाँव की रविदास गायक मण्डली के सुन्दर भजनों से हुई. गुरु रविदास जन्मस्थान मंदिर, सीरगोबर्धनपुर, वाराणसी के आचार्य भारत भूषण दास ने संत रविदास के आध्यात्मिक दर्शन को विस्तार से रखा. मध्ययुगीन भारत के इतिहासकार डॉ. मोहम्मद आरिफ ने वर्तमान राजनीतिक एवं सामाजिक विषमता के सन्दर्भ में संत रविदास के दर्शन के महत्व को अनेक उद्धरण और पदों का ज़िक्र करते हुए सामने लाया. विद्या आश्रम की समन्वयक डॉ. चित्रा सहस्रबुद्धे ने अपने वक्तव्य में ज्ञान की दुनिया में विश्वविद्यालय के दब-दबे को चुनौती देने में रविदास दर्शन का महत्व सामने रखा। सभा के सह-अध्यक्ष सतीश कुमार उर्फ़ फगुनीराम-व्यवस्थापक संत रविदास मंदिर, राजघाट, ने वार्ता के लिए दिए गये पद में उजागर भाव को रस्मों का विरोध और ईश्वर से सीधे संबंध बनाने के रूप में व्याख्यायित किया.
- दर्शन अखाड़ा ब्लॉग सक्रिय हुआ. दर्शन, ज्ञान, कला, भाषा और समाज जैसे विषयों पर विचार लिखे गए हैं और दर्शन अखाड़ा पर हुए कार्यक्रमों की रपटें भी दी गई.

4. आश्रम का स्थापना दिवस : 1 अगस्त 2019 को विद्या आश्रम का स्थापना दिवस था. इस अवसर पर आश्रम परिसर पर 'लोकविद्या-समाज के नौजवानों का भविष्य' विषय पर ज्ञान-पंचायत की गई. (देखें लिंक http://lokavidyajanandolan.blogspot.com/2019/08/) इस ज्ञान-पंचायत के अध्यक्ष मण्डल में ग्राम लेढपुर के कन्हैयालाल (कूआं बनाने के कारीगर), ग्राम मोहाव के बचाऊ(किसान), पीली कोठी के एहसान अली (बुनकर), श्रीमती प्रेमलता सिंह (लोकविद्या जन आन्दोलन) और अरुणजी (वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्त्ता) रहे. इस पंचायत में लोकविद्या के गूढ़ अर्थों पर चर्चा के साथ यह सामने रखा गया कि लोकविद्या-समाज के लोगों की वैचारिकी, तकनीकी और दार्शनिक क्षमताओं को पहचाना जाना चाहिए. लोकविद्या-समाज और लोकविद्या-समाज के नौजवानों का भविष्य एक ही है. ऐसे में लोकविद्या-समाज की ज्ञान,

क्षमता और आमदनी के सवाल को बेरोज़गारी से मुक्ति के आन्दोलन के साथ गूंथना नौजवानों का कर्तव्य बनता है. वक्ताओं में थे- ठेला पटरी संघर्ष समिति के प्रेमशंकर सोनकर, माँ गंगा निषाद सेवा समिति के हरिश्चंद्र बिंद, पांडेयपुर के गोपाल (कंप्यूटर हार्डवेअर के कारीगर), आरती कुमारी (बुनकर की बेटी), सलारपुर से अजयकुमार मौर्य(इलेक्ट्रिक सामानों के कारीगर), कोनिया से गुलज़ार भाई (बुनकर), सारनाथ से जयप्रकाश (इनवर्टर के कारीगर), ग्राम भैन्सोदी से प्रमेश (शिक्षक). सामाजिक कार्यकर्ताओं में स्वराज अभियान के रामजनम, पर्यावरण प्रदूषण के खिलाफ काम कर रहे रविशेखर और सानिया, कारीगर नजरिया से फ़ज़लुर्रहमान अंसारी, ग्राम सराय मोहना से आनंद, मकबूल अहमद आदि ने अपने विचार रखे.

5. राष्ट्रीय बैठक : इस वर्ष आश्रम पर निम्नलिखित दो राष्ट्रीय बैठकों का आयोजन हुआ. एक अक्तूबर 2019 और दूसरी मार्च 2020 में.
    - Listening to Philosophers : देश की वर्तमान परिस्थितियों के सन्दर्भ में 12,13 व 14 अक्टूबर 2019 को विद्या आश्रम और दर्शन अखाड़ा में एक गंभीर दर्शन वार्ता (Listening to Philosophers) का आयोजन हुआ. इस राष्ट्रीय दर्शनवार्ता में देशभर से 30-35 लोग शामिल हुए. विचार के प्रमुख बिंदु रहे ---- स्वायत्तता, न्याय, ज्ञान-पंचायत, लोकस्मृति, कला दर्शन, सामान्य जीवन, स्वराज, नारी-विद्या, संत परंपरा व शास्त्रीय दर्शन और लोक भाषा। समाज के लिए प्रासंगिक ऐसी दर्शन स्तर की चर्चाएं हुईं। टेक्नॉलॉजी तथा मनुष्य निर्मित संस्थाओं और वर्तमान राजनीति के विकल्प के लिए भारतीय दर्शन परम्पराओं, ज्ञान और विवेक के संदर्भों में ठोस विचार सामने आए और उन पर चर्चा हुई। इस गोष्ठी में केरल, तमिलनाडु, कर्णाटक, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और उत्तर प्रदेश से कार्यकर्त्ता-विचारक शामिल हुए.
      (देखें लिंक http://lokavidyajanandolan.blogspot.com/2019/10/12-14-2019.html).
    - देश की वर्तमान परिस्थिति और भविष्य : वाराणसी में देश की वर्तमान परिस्थिति और भविष्य विषय पर 29 फरवरी 2020 को विद्या आश्रम, सारनाथ में और 1 मार्च 2020 को दर्शन अखाड़ा, राजघाट में एक राजनैतिक और दार्शनिक वार्ता का आयोजन किया गया. यह राष्ट्रीय स्तर की बैठक थी. देश भर में पिछले दो-तीन महीनों से CAA/NRC/NPR के विरोध में हो रही गतिविधियों की पृष्ठभूमि में और हम कौन हैं और किधर चले विषय पर शुरू हुई वार्ताओं के सन्दर्भ में समाज के कई तबकों से और देश भर से आये लोगों ने आगे के रास्ते और एक सार्थक परिवर्तन की संभावना पर अपने विचार रखे. लगभग 75 व्यक्तियों की भागीदारी में यह संवाद हुआ. वार्ता में 25 से 70 के आस पास के आयुवर्ग के लोग शामिल रहे.
      (देखें लिंक https://lokavidyajanandolan.blogspot.com/2020/03/).
6. आश्रम पर चिंतन वार्ता : 29 अक्टूबर 2019 को 'त्यौहार और जीवन मूल्य' विषय पर एक गोष्ठी विद्या आश्रम सारनाथ पर आयोजित हुई. वाराणसी के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने त्यौहारों के बाज़ार के साथ घनिष्ठ सम्बन्ध और वध का जश्न मनाने वाले त्यौहार, इन दोनों बातों को समाज के लिए हानिकारक बताया. ऐसे जश्न हमारी संस्कृति की पहचान कैसे बन सकते हैं? इस गोष्ठी में किसान, कारीगर, सामाजिक कार्यकर्त्ता मिलकर कुल तीस लोग शामिल हुए ।(देखें लिंक http://lokavidyajanandolan.blogspot.com/2019/11/))
7. कला साधना व कला दर्शन : आश्रम परिसर पर एक कला स्थान का निर्माण किया गया. कला कक्ष और एक छोटे से रंगमंच का निर्माण हुआ. कला दर्शन एवं कला सृजन की व्यवस्थाएं बनाई गई, पुस्तकें व साधन

जुटाए गए. विद्या आश्रम से लोकविद्या दर्शन और कला दर्शन के प्रकाश में मनुष्य के उद्धार, विकास और प्रगति के जीवनमूल्य, कार्य और संगठन के प्रकारों की खोज की क्रियाएं होंगी.

8. स्वराज दर्शन : स्वराज दर्शन पर पिछले 2-3 वर्षों से विद्या आश्रम में चिंतन और प्रकाशन के कार्य आकार ले रहे हैं. इस दिशा में पंचायत और विद्या आश्रम की औपचारिक बैठकों में बराबर चर्चा होती रही है. स्वराज अभियान के सदस्यों से, स्वराज विद्यापीठ, इलाहाबाद, समाजवादी, सर्वोदयी और संघर्ष वाहिनी के कुछ संगठनों से और शोषित समाज दल के नेतृत्व से वार्ताएं हुई हैं. 1 मार्च 2020 को दर्शन अखाड़ा पर हुई राष्ट्रीय बैठक का विषय ही स्वराज की समकालीन अवधारणा पर चिंतन का रखा गया. यह भी तय किया गया कि स्वराज पुस्तकमाला की अगली कड़ियों के प्रकाशन को हाथ में लिया जाना चाहिए.
9. प्रकाशन : इस वर्ष लोकसभा चुनाव के अवसर पर कारीगर नजरिया का वाराणसी से 'ज्ञान, आय और रोज़गार' विषय पर केन्द्रित एक अंक प्रकाशित हुआ.
10. विद्या आश्रम न्यास (आश्रम समिति) की बैठक : 29 फरवरी 2020 को विद्या आश्रम न्यास की बैठक आश्रम परिसर पर हुई. इस बार अगले तीन वर्ष के लिए पदाधिकारियों का पुनश्च चयन किया गया और कार्यकारिणी समिति का विस्तार किया गया. चयनित पदाधिकारियों के नाम नीचे दिए गए हैं.
    अध्यक्ष – सुनील सहस्रबुद्धे, समन्वयक – चित्रा सहस्रबुद्धे, कोषाध्यक्ष – प्रेमलता सिंह
    कार्यकारिणी समिति – चित्रा सहस्रबुद्धे (संयोजक), प्रेमलता सिंह, लक्ष्मण प्रसाद, एहसान अली, अवधेश कुमार, अविनाश झा, गिरीश सहस्रबुद्धे, बी. कृष्ण राजुलू, अभिजित मित्रा, जे.के. सुरेश, अमित बसोले.
    विद्या आश्रम के अगले चरण पर चर्चा हुई और निर्माण खर्च का विवरण रखा गया.
11. कार्यकारिणी बैठकें: इस वर्ष विद्या आश्रम कार्यकारिणी समिति की एक बैठक निर्माण कार्य शुरू होने के पहले 26 मई 2019 को और एक निर्माण कार्य पूरा होने के बाद, 26 जनवरी 2020 को हुई. 29 फरवरी 2020 को समिति के सभी सदस्यों का मिलना हुआ.
12. निर्माण : आश्रम परिसर में निम्नलिखत निर्माण कार्य हुआ.
    - एक आश्रम रसोई 12 फी.×14 फी.
    - एक शेड 10 फी.×14 फी.
    - एक अतिथि कमरा 12 फी.×21 फी.
    - एक कला कक्ष 14 फी.×21 फी.
    - दो संडास
    - एक नहानघर
    - दो सोक पिट
    - सभास्थल पर बैठने के बेंच
13. ब्लाग, फेसबुक : लोकविद्या जन आन्दोलन का ब्लॉग (lokavidyajanandolan.blogspot.com) और दर्शन अखाड़े का ब्लॉग (darshanakhadablog.wordpress.com) सक्रिय रहे. ब्लॉग पर रपटें और लेख प्रकाशित किये गए. फेसबुक पर हिंदी में वार्ताएं की गईं और समय-समय पर आश्रम की वार्ताओं के लिए निमंत्रण भेजे गए तथा कार्यक्रमों की रपटें पेश की गईं.

●